खबर संक्षेप

निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं के विवरण की मैपिंग के संबंध में प्रशिक्षण आज

मण्डला। निर्वाचक नामावली का गहन पुनरीक्षण-2025 के अंतर्गत निर्वाचक नामावली का गहन पुनरीक्षण विषयक प्रशिक्षण सोमवार को आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में 2003 के डाटा एवं वर्ष 2025 की निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं के विवरण की मैपिंग के संबंध बीएलओ स्तर एवं विधानसभा स्तर पर की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। प्रशिक्षण 15 सितंबर को अपरान्ह 2 बजे से जिला योजना भवन के सभाकक्ष में आयोजित होगा। विधानसभा क्षेत्र के मास्टर ट्रेनर्स एवं बीएलओ सुपरवाईजर को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

ब्लॉक घुघरी के सिमरिया गांव में पीएचई दल ने किया क्लोरिनेशन

मण्डला। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कुमट के निर्देशानुसार एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री मनोज भास्कर के मार्गदर्शन में ब्लॉक घुघरी के ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम सिमरिया में पीएचई विभाग द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सभी 14 पेयजल स्त्रोतों जिसमें 7 हैंडपंप एवं 7 कुआं में जर्मेक्स एवं ब्लीचिंग पाउडर डालकर क्लोरिनेशन का कार्य किया गया। क्लोरिनेशन कार्य के साथ-साथ ग्रामीणों को पानी को छानकर उबालकर पीने के लिए समझाइश दी गई।

जिले में अब तक 1494.9 मिमी वर्षा दर्ज

मण्डला। जिले में बारिश का दौर जारी है, जिले में 1 जून से 14 सितंबर तक 1494.9 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 3.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन मंडला में 7.8 मि.मी., बिछिया में 10.2 मिमी एवं घुघरी में 1 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

सहायक आयुक्त के निर्देश के बावजूद शिक्षिका संलग्न, बीईओ की मिलीभगत?

5 वर्षों से आदेश की हो रही अनदेखी

*** रोजाना जबलपुर से करते अपडाउन, नहीं उठाते किसी का फोन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विकासखंड बीजाडांडी अंतर्गत माध्यमिक शाला मैली में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक श्रीमती प्रभा विश्वकर्मा को वर्ष 2019 में विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीजाडांडी द्वारा आदेश क्रमांक क्र./शि.स्था./2019/730 दिनांक 20.12.2019 के तहत माध्यमिक शाला ढुढुवा में शैक्षणिक कार्य हेतु अस्थायी रूप से संलग्न किया गया था। जबकि इसी के अनुरूप कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी, बीजाडांडी द्वारा सहायक आयुक्त के निर्देश पर दिनांक 19.06.2020 को आदेश जारी कर सभी विकास खंड बीजाडांडी में संलग्न शिक्षकों को कार्यमुक्त कर मूल संस्था में वापसी हेतु निर्देशित किया गया। यह भी उल्लेख किया गया था कि जब तक शिक्षक अपनी मूल संस्था में कार्यभार ग्रहण नहीं करते, तब तक वेतन का भुगतान नहीं किया जाएगा। तो फिर कहां विभाग की चूक हुई जिससे बीईओ के आदेश का पालन नहीं हुआ?

जब संलग्नीकरण समाप्त नहीं हुआ तो सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग, मण्डला द्वारा दिनांक 10/09/2025 को सरपंच ढुढुवा के पत्र का हवाला देते हुए आदेश जारी किया गया कि श्रीमती विश्वकर्मा को उनकी मूल संस्था – माध्यमिक शाला मैली – में वापस किया किया जाता है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। अब आदेश का पालन होता है या नहीं वह समय बताएगा?

जानकारी के अनुसार, सरपंच सेमू सिंह मरकाम द्वारा दिनांक 12/09/2025 को सहायक आयुक्त को पत्र देकर यह स्पष्ट किया गया है कि उन्होंने कोई शिकायत नहीं की और शिक्षिका को यथावत रखने का अनुरोध किया गया। जबकि इस संबंध में जनजाति कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत सीईओ के पास ग्राम पंचायत द्वारा ऑनलाइन शिकायत की गई थी। इस में क्या सच्चाई है इसकी पुष्टि जनजाति कार्य विभाग ही कर सकता है।

5 वर्षों से आदेश का पालन नहीं

चौंकाने वाली बात यह है कि उक्त शिक्षिका द्वारा अब तक, यानी लगभग 5 वर्षों बाद भी इस आदेश का पालन नहीं किया गया। इससे यह गंभीर प्रश्न उठता है कि यदि आदेश 2020 में ही जारी कर दिया गया था, तो संबंधित अधिकारी अब तक निष्पालन सुनिश्चित क्यों नहीं करवा पाए?

क्या यह आदेश सिर्फ दिखावा था?

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि अगर 2020 का आदेश वैधानिक और प्रभावशील था, तो फिर 5 वर्षों तक उसके पालन को क्यों नजरअंदाज किया गया? क्या यह विभागीय मिलीभगत का मामला है? क्या अधिकारियों ने जानबूझकर आदेश का क्रियान्वयन नहीं कराया?

इस पूरे मामले से यह संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं न कहीं शिक्षिका, प्रशासन और विभागीय अधिकारियों की आपसी मिलीभगत के चलते आदेश को दबा दिया गया और व्यवस्था को ठेंगा दिखाया गया।

जनता और शिक्षा जगत में इस पूरे मामले को लेकर गंभीर नाराजगी है और अब यह मांग उठ रही है कि इस मामले की जांच कर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी अनदेखी न हो सके और शासन के आदेशों की गरिमा बनी रहे।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठते सवाल

मामले में जब बीजाडांडी के खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, यह कोई नया मामला नहीं है – बीईओ द्वारा फोन न उठाना एक आम शिकायत बन चुकी है।

गौरतलब है कि बीईओ पद के अलावा महोदय के पास अन्य स्कूलों में प्राचार्य पद का दायित्व भी है, जिससे उनकी जवाबदेही और भी बढ़ जाती है।

जिला प्रशासन पर भी उठे प्रश्न

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीईओ जबलपुर से अप-डाउन कर रहे हैं, जबकि उन्हें बीजाडांडी में स्थायी रूप से पदस्थ होकर कार्य करना चाहिए। जनता की मांग है कि बीईओ को अपने मुख्यालय में उपस्थित रहकर जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए जाएं, ताकि शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो सके।

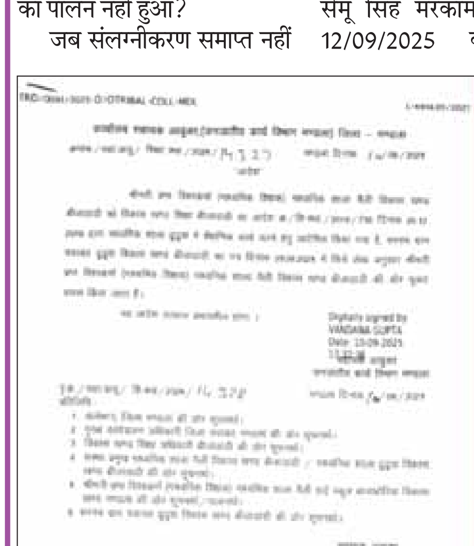

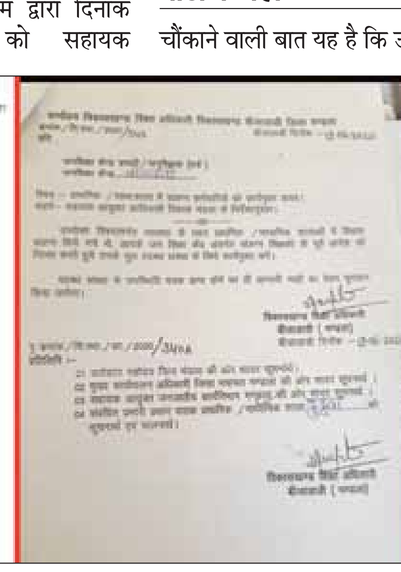

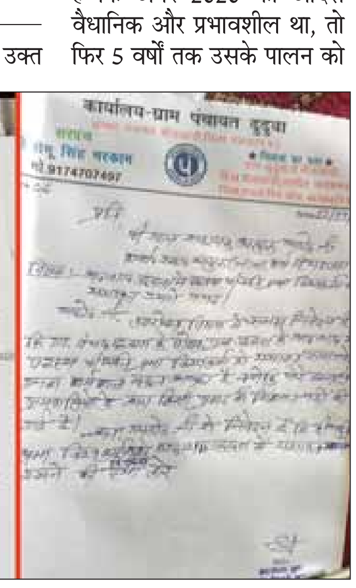

साधारण परिवार की बेटी ने मेहनत और लगन से बढ़ाया मंडला का मान

*** बीजाडांडी के उप डाकपाल की बेटी ने पीएससी में हासिल की बड़ी सफलता।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले की होनहार बेटी कुमारी एलिसा सिंगौर ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (पी.एस.सी.) परीक्षा-2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वाणिज्य कर निरीक्षक (Commercial Tax Inspector) के पद पर सफलता अर्जित की है।

एलिसा, लेखराम सिंगौर की सौपौत्री , पिता राकेश सिंगौर एवं माता श्रीमती सविता सिंगौर की पुत्री हैं।ग्राम सकवाह कला, बम्हनी बंजर, जिला मंडला निवासी हैं।

पिता श्री राकेश सिंगौर भारतीय डाक विभाग में बीजाडांडी उप डाकघर पर उप डाकपाल के छोटे से पद पर कार्यरत हैं। साधारण पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद एलिसा ने यह उपलब्धि हासिल कर परिवार और पूरे समाज का नाम रोशन किया है।

उन्होंने कक्षा 12 तक की शिक्षा केंद्रीय विद्यालय से प्राप्त की। प्रशासनिक सेवाओं में जाने का संकल्प लेकर उन्होंने कठोर परिश्रम किया। एलिसा ने पीएससी मेंस परीक्षा में 738 अंक प्राप्त किए। हालाँकि इंटरव्यू में अपेक्षा से कम (92) अंक मिलने के कारण रैंक प्रभावित हुई और सामान्य श्रेणी से चयन हुआ। यदि उन्हें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण का लाभ मिलता तो और भी सम्मानजनक पद प्राप्त हो सकता था।

फिर भी, यह उपलब्धि न केवल परिवार बल्कि पूरे जिले और समाज के लिए गर्व का विषय है। एलिसा का लक्ष्य अभी और ऊँचा है। वे निरंतर परिश्रमरत हैं और भविष्य में और बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए संकल्पित हैं।

यह सफलता न केवल मंडला जिले बल्कि पूरे आदिवासी अंचल के लिए प्रेरणा का स्रोत है। दादीजी,नाना- नानी जी मामा-दादा, सहेलियाँ, क्लासमेट एवं रिश्तेदारों आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दिया है।

ग्राम सिमरिया में चार मौतों से दहशत, दो लोग बिछिया स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

घुघरी। घुघरी विकासखंड घुघरी की ग्राम पंचायत लाफन के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिमरिया में तीन दिनों के भीतर एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो जाने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मृतकों की सूची इस प्रकार है – 09/09/2025 – आदित्य, पिता अमर सिंह, उम्र 2 वर्ष, 13/09/2025 – नरवरिया (महिला), पत्नी लालजी, उम्र 70 वर्ष, 13/09/2025 – मुन्ना, पिता बल्लू, उम्र 49 वर्ष, 14/09/2025 – देव सिंह, पिता लालजु केराम, उम्र 49 वर्ष। लगातार मौतों से ग्रामीणों में भय और शंका व्याप्त है। कुछ ग्रामीणों ने डायरिया फैलने की आशंका जताई, लेकिन एसडीएम घुघरी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की समीक्षा की और स्पष्ट किया कि अब तक डायरिया के फैलने की कोई पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, गायत्री पिता रामसेवक (19 वर्ष) और सुशीला पिता मुन्ना (31 वर्ष) की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें उपचार के लिए बिछिया स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में लगातार निगरानी कर रही है, पानी के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं और ग्रामीणों को उबला हुआ पानी पीने तथा साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की गई है। घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज मरकाम भी मौके पर पहुंचे और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने मृतकों के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की मांग की। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मेडिकल टीम तैनात कर दी है और बीमार ग्रामीणों का घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौतों के कारण की पुष्टि की जा सकेगी। एसडीएम घुघरी ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। गांव में स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और समस्या होने पर तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचना दें।

छत्तीसगढ़ को भेजी गई जिले से राहत सामग्री

मण्डला। छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग में आई भीषण बाढ़ से जनजीवन प्रभावित है। ऐसे संकट के समय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मंडला जिले ने बाढ़ से प्रभावित परिवारों को मदद देने के लिए हाथ बढ़ाया है। जिले के समाजसेवियों के सहयोग से एकत्रित एक ट्रक राहत सामग्री को जिला योजना भवन मंडला से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, निवास विधायक श्री चैनसिंह वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्री श्रीमती उइके ने मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर सीमावर्ती जिलों से राहत सामग्री छत्तीसगढ़ भेजी जा रही है। इस संकट के समय में हम छत्तीसगढ़ के साथ खड़े हैं। सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि आपदा की घड़ी में छत्तीसगढ़ का सहयोग करना हमारा धर्म है। छत्तीसगढ़ भेजी गई राहत सामग्री में हवाई स्लीपर, बिस्किट, त्रिपाल, कम्बल, साड़ी, टी-शर्ट, लोवर, मुर्रा, प्याज, आलू, चावल, गेहूँ एवं नमक तथा दाल शामिल है।

दौरा | उड़ीसा से आई अध्यक्षा का अभूतपूर्व स्वागत।

इनर व्हील क्लब अध्यक्षा का विभागीय दौरा

*** वार्षिक सामाजिक कार्यो का किया निरीक्षण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

इनर व्हील क्लब मंडला में रविवार को स्थानीय होटल में उड़ीसा से आई जिला अध्यक्ष का ऑफिशियल चेयरमैन विजिट आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें चेयरमेन मधुस्मिता त्रिपाठी, चार्टर प्रेसिडेंट अनुराधा चौरसिया और क्लब ऑफिसर्स शामिल रहीं। इस अवसर पर क्लब मेंबर्स ने उनका भव्य स्वागत किया।

सेवा भारती की छात्राओं ने पारंपरिक कर्मा नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें डीसी मधुस्मिता त्रिपाठी भी झूम उठीं और आनंदित हुईं। क्लब मेंबर निहारिका उईके ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं इनर व्हील के कार्यों पर आधारित विशेष गीत सविता मोदी द्वारा लिखा गया और जया सराफ द्वारा गाया गया। मंच संचालन दीपा खंडेलवाल ने किया। डीसी मधुस्मिता त्रिपाठी ने इनर व्हील क्लब मंडला द्वारा किए गए वार्षिक सामाजिक कार्यों का निरीक्षण किया और उनकी सराहना की। उन्होंने भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए कपड़े के बने बैग का उपयोग करने और पॉलिथीन से दूरी बनाने का संदेश दिया। क्लब की सभी टीचर्स और प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में रोटरी क्लब मंडला मैकल के अध्यक्ष प्रसन्न सराफ एवं अन्य सदस्यों द्वारा मैडम का स्वागत किया गया। विशेष रूप से डीसी मेंबर मधुस्मिता त्रिपाठी उपस्थित रहीं। क्लब अध्यक्ष श्रद्धा तपा, सचिव सुनीता पमनानी, कोषाध्यक्ष रूबी तपा, आईएसओ प्रिया पमनानी, एडिटर आरती ब्रिजपुरिया, वाइस प्रेसिडेंट कमला बानी, ज्वाइंट सेक्रेटरी किरण पमनानी, चार्टर प्रेसिडेंट अनुराधा चौरसिया और अन्य पास्ट प्रेसिडेंट समेत सभी सदस्यों ने एक जैसी साड़ी पहनकर उपस्थिति दर्ज की।

इस अवसर पर मोना जैन, आशा चौधरी, पूजा मोदी, गीता कल्पीवार, संजुलता सिंगुर, दीपा खंडेलवाल, अनीता चंद्रोल, तृप्ति गोयल, डॉ. नृपिका पथरिया, आरती तिवारी, अन्नू चौरेसिया, त्रिवेणी पटेल, सीमा ज्योतिषी, सरिता इसरानी, सपना भाटिया, वंदना पटेल, रिया तपा, ऋतु राय, साधना दूबे, जया सराफ, अंकिता केशवानी, अनीता अग्रवाल, अंजू उम, निहारिका उईके और संध्या शिवहरे सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहीं।

नेशनल लोक अदालत हुई सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितम्बर को सम्पूर्ण देश में नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। इसी तारतम्य में जिला मण्डला में प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी के निर्देशन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री तपन धारगा के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रकार के राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल प्रकरण विद्युत प्रकरण, मोटर दुर्घटना, भरण-पोषण, चैक बाउन्स, श्रम, राजस्व पारिवारिक वैवाहिक मामले न्यायालय के प्रकरणों के साथ-साथ, बैंक, नगरपालिका, विद्युत एवं बीएसएनएल के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया।

न्यायिक मजिस्टेªट/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री धारगा ने बताया कि नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय मण्डला एवं तहसील न्यायालय नैनपुर/निवास/बिछिया में भी उक्त नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई है जिसमें सभी समझौते योग्य प्रकरणों के निराकरण हेतु 23 खंडपीठों का गठन किया गया है। जिसमें आपसी सुलह के आधार पर राजीनामा किया गया। उन्होंने बताया कि इस बार की नेशनल लोक अदालत में प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में बैंक के 80 प्रकरणों में से 78 प्रकरण निराकृत हुये जिसमें 10921471रूपये की वसूली राशि प्राप्त हुई, विद्युत विभाग के 126 प्रकरणों में से 126 प्रकरण निराकृत हुये जिसमें 478482 रूपये की वसूली राशि प्राप्त हुई, नगरपालिका के 102 प्रकरणों में से 102 प्रकरण निराकृत हुये, जिसमें 385612 रूपये की वसूली राशि प्राप्त हुई।

न्यायालय के लंबित केसेस में समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण 129 प्रकरणों में से 127 निराकृत हुए। धारा 138 एनआईएक्ट के 64 प्रकरणों में से सभी प्रकरण निराकृत हुये जिसमें राशि 14773240 का अवार्ड पारित किया गया, एमएसीटी के 67 प्रकरणों में से 64 प्रकरण निराकृत हुये जिसमें राशि 20197000 का अवार्ड पारित किया गया एवं पारिवारिक विवाद के 20 प्रकरणों में से 19 प्रकरणों को निराकृत किया गया। अन्य सिविल प्रकृति के 07 प्रकरणों में से 07 प्रकरण निराकृत हुये। सभी समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह के आधार पर किया गया तथा सभी लाभान्वितो को पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए लोक अदालत में उपस्थित लाभान्वित व्यक्तियो को एक-एक पौधा भेंट किया गया व वृक्षारोपण को बढावा देने का संदेश दिया गया।

इस प्रकार न्यायालय के पेंडिंग केसेस कुल 337 प्रकरणों में से 334 प्रकरण निराकृत किये गये तथा 42800839 रूपये राशि का धनादेश पारित किया गया तथा प्रीलिटिगेरूशन कुल प्रकरण 332 मे से 330 प्रकरण निराकृत किये गये तथा 11871272 रूपये राशि का धनादेश पारित किया गया। इस लोक अदालत से कुल 795 लोग लाभांवित हुये।

खबर संक्षेप

राव कुमारेन्द्र सिंह का निधन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। मूल रूप से ग्राम सडूमर व नगर के झंडाचौक निवासी तथा भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष राव संदीप सिंह के पिता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य राव अजेन्द्र सिंह के भाई राव कुमारेन्द्र सिंह का बीते हुये दिवस बीमारी के चलते जबलपुर में निधन हो गया। स्व.राव का अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम सडूमर में किया गया। शव यात्रा में क्षेत्र के लोगों ने शामिल होकर स्व. कुमारेन्द्र सिंह को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। ज्ञात हो कि राव कुमारेन्द्र सिंह पूर्व मंडी अध्यक्ष रहने के साथ कौरव समाज के महत्वपूर्ण व्यक्ति माने जाते थें। उनके निधन से कौरव समाज में शोक का महौल देखने मिल रहा है।

पर्यावरण की रक्षा के लिये कलचुरी कलार समाज की अनुकरणीय पहल, पितृ के नाम किया जा रहा पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जिस तरह पर्यावरण लगातार बिगड़ते हुये दिखाई दे रहा है इसकी रक्षा यदि समय रहते हुये नही गई तो आने वाला भविष्य निश्चित तौर भयानक बनने से नही चूकेगा। इसी सोच के चलते जिस तरह कलचुरी समाज द्वारा अपने पितृों की याद में पौधा रोपने की पहल की गई लोगों द्वारा उसकी सराहना की जा रही है। बताया जाता है कि चल रहे पितृपक्ष का पावन माह में कलचुरी समाज द्वारा पितरों की आत्मशांति के लिए अनेक कार्य किए जाते है। उन्हीं कार्यों में से शहर की कलचुरी कलार समाज ने एक अनुकरणी पहल की शुरुआत कि जिसके तहत सामाजिक बंधुओं ने अपने पितरों की याद में स्थानीय नई गल्ला मंडी स्थित श्री हनुमान मंदिर में 29 छायाकार, फलदार एवं पुष्पदार पौधों का रोपण किया। जिसमें सर्वप्रथम रामलला, हनुमान जी एवं सहस्त्रबाहु भगवान के साथ साथ समस्त पौधे की भी पूजा अर्चना की गई। इसके उपरांत वाटिका में पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष मनीष जायसवाल, राजेन्द्र राय कोयला वाले, एस एस राय, मधुसूदन जायसवाल, राधारमन राय, रूपेश राय, रंजीत राय, मोहन राय, राजेंद्र राय आइल वाले, दयाल चंद्र राय, बंटी चौकसे, वीरेंद्र राय, गिरधारी लाल राय,आशीष राय, प्रभु दयाल राय, आशीष जायसवाल, कैलाश राय, अरविंद चौकसे, प्रभु दयाल राय,श्री राय, एस एस राय, राकेश जायसवाल, हंसू राय,यश राय, शिवम चौकसे,शिवम राय सहित अन्य लोग मौजूद थें।

चीचली में आयोजित हुई बीपीएमयू की बैठक

हरिभूमि न्यूज/चीचली। जनपद पंचायत चीचली विकासखंड के जनपद शिक्षा केंद्र में विकास खंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि उक्त बैठक में बीआरसी चीचली डी के पटेल ने सभी ग्राम/बसाहट में चाईल्ड ट्रैकिंग ऐप के माध्यम से शाला में नामांकित एवं शाला से बाहर के 6 से 18 आयु वर्ग के छात्रों के सर्वे संबंधित पार्ट बी फीड करने, एफएलएन मेला का आयोजन, मेंटरिंग, बैगलेस डे की गतिविधि आयोजित करना तथा एफएलएन अभ्यास पुस्तिका पर कार्य, पुस्तक रिसीविंग, खाद्यान्न उठाव, ड्रॉप बॉक्स, पीएम पोषण आहार मॉनिटरिंग, जिज्ञासु किट, इत्यादि बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिए। वही बैठक में उपस्थित बीएसी अरुण दुबे एवं एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव ने विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने , शाला संचालन में नियमितता, साइकिल चेचिस नम्बर की एंट्री, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय, मैपिंग प्रोफाइल अपडेशन तथा यू डाइस पोर्टल कार्य संबंधी चर्चा की गई। उल्लास नवभारत साक्षरता के समन्वयक लेखराम गौतम तथा सत्यम ताम्रकार द्वारा ने आगामी 20 सितंबर को होने वाले असाक्षरों के मूल्यांकन लक्ष्य एवं उपलब्धि स्तर, ग्राम बसाहट में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, सामाजिक चेतना के संचालन, मॉनिटरिंग तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात कही गई। इस बैठक मे अरुण दुबे, दीपक श्रीवास्तव, खुशबू ब्रिजपुरिया, सत्यम ताम्रकार, अजय नामदेव, संजय सोनी, हरिओम स्थापक, ललित पाराशर, हेमंत पटैल, हरीश गुप्ता, नरेश मेहरा, देवकरण रजक, वीरेंद्र रघुवंशी, संजय सिंह राजपूत, अमर सिंह चौधरी, कैलाश कहार मौजूद रहे।

कार्यक्रम की औपचारिकता के बाद फिर एक साल के लिये फाईलों में दबकर रहे जावेगी हमारी मात्र भाषा, लगातार अंग्रेजी को बोलबाला होने से हिन्दी भाषी हो रहे परेशान...?

रविवार को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के मौके पर सिर्फ बधाई संदेश देने के लिये याद किया गया राष्ट्रभाषा को

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

हर क्षेत्र में लगातार अंग्रेजी भाषा का बोल बाला होने के चलते हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी मात्र हिन्दी दिवस के मौके पर बधाई संदेश देने तक ही सीमित होकर रहते हुये जान पड़ रही है? जिसकी सच्चाई कल रविवार को एक बार फिर देखने मिली। क्योंकि रविवार 14 सितम्बर को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के मौके पर निश्चित तौर से जहां तहां शासकीय कार्यालयों में मात्रभाषा को याद करते हुये कार्यक्रमों में नाम पर औपचारिकता निभाने के भी कोई प्रयास होते हुये दिखाई नही दिये। क्योंकि रविवार को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के अवसर पर अवकाश होने के कारण जहां अधिकारी व आम लोगों ने हमारी राष्ट्र भाषा को याद करते हुये कोई कार्यक्रम करना तक उचित नही समझा गया था। हैरत की बात है कि इस अवसर पर शासकीय कार्यालयों व किसी संस्था में हिन्दी दिवस के नाम पर शायद ही राष्ट्र भाषा को याद करते हुये कोई कार्यक्रम आयोजित होते हुये देखे गये हो...? यदि हुये तो वह मात्र औपचारिकता पूर्ण ही हुये होगे। यह बात अलग है कि हिन्दी दिवस को लेकर सोशल मीडिया पर जरूर एक दूसरे को बधाई देने के लिये हिन्दी दिवस को जरूर याद होते हुये देखा गया है। मगर जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि लोग अंग्रेजी का बोलबाला होने के कारण हमारी राष्ट्र भाषा को भुलते चले जा रहे है। वह निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई उजागर होने से नही चूक पा रही है..? हर छोटे से लेकर बड़े कार्यालयों में अंग्रेजी की मार के चलते जहां हिन्दी भाषी परेशान होत चले जा रहे है। वही दूसरी ओर लोगों में अपने बच्चों को जिस तरह अंग्रेजी की ओर ढकेला जा रहा है उसका हमारी हिन्दू संस्कृति पर भी काफी हद तक प्रभाव देखने मिल रहा है। यह बात अलग है कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा जरूर मिल गया है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा हर कार्य में जिस प्रकार से अंग्रेजी को महत्व दियास जा रहा

है उसके चलते सही मायने में देखा जावे तो हिन्दी विलुप्त होते हुए दिखाई दे रही है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक बैकों में स्पष्ट लिखा होता है कि हिन्दी का उपयोग किया जावेगा तो हमे बड़ी प्रसन्नता होगी। मगर यह लिखा हुआ शब्द मात्र वोर्ड की शोभा बढ़ाने तक ही सीमित होकर रहे चुका है? जबकि सच्चाई यह है कि अभी भी बैंक, बिजली विभाग सहित अन्य फाईनेस कंपनियों द्वारा अपने माल को उपभोक्ताओं को बेचने वाली कंपनियों में अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। हालत यह है कि कई नामचीन कंपनियों के लिए काम करने वाले स्टाईलिश युवा फर्राटे दार अंग्रेजी बोलकर पहले तो उपभोक्ताओं को प्रभावित करने की चेष्टा करते है और बाद में मशीन या अन्य फाईनेस करने के लिए अंग्रेजी भाषा में लिखा एग्रीमेन्ट फार्म पेश करा लेते है और उस पर कम पढ़े लिखे लोगों द्वारा बगैर समझे ही हस्ताक्षर या फिर अंगूठा लगवाने से नही चूकते है। जबकि देखा जावे तो उस अंग्रेजी एग्रीमेन्ट में क्या लिखा है वह उपभोक्ता को पता ही नही रहता है? गौरतलब है कि अंग्रेजी न जानने वाले बहुत से उपभोक्ता कंपनियों के अभिकर्ताओं की बातों में आकर इन अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर तो कर देते है मगर बाद में उनके दिमाग में यह शंका उभरने लगती है कि अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर करने के दौरान कही उनसे ऐसी गलती तो नही हो गई है, जिसके कारण बाद में उन्हें पछताने मजबूर होना पड़े और अक्सर ऐसा होता भी है? भारत की समर्थ राष्ट्रभाषा हिन्दी के बोलने, समझने, लिखने वालों की बड़ी तादाद क्षेत्र में होने के बावजूद भी अंग्रेजी भाषा में लिखे अनुबंध पत्रों के गोरख धंधे को लेकर समूचे क्षेत्र में इन दिनों कई तरह की चर्चाएं सुनाई पड़ रही है? आमजनों का कहना है कि कभी-कभी अंग्रेजी भाषा में उपभोक्ताओं के सामने पेश किये जाने वाले एग्रीमेन्ट फार्म भ्रम पैदा करते है और शासकीय विभागों या कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच बनी विश्वास की डोर ढ़ीली पड़ने लगती है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदार विभागों, कंपनियों के अनुबंध पत्रों में हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। इस बारे में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए सालीचौका निवासी युवा राजेश वर्मा का कहना है कि हमारे देश की सरकारे लगातार राष्ट्रभाषा हिन्दी को सम्मान जनक दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है। वही कई बैक भी हिन्दी पखबाड़ा मना रहे है, पर आमतौर पर देखने में आता है कि ऋण लेने के लिए उपभोक्ताओं से अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित अनुबंध भरवाये जाते है। इस हालत में निश्चित ही अंग्रेजी का ज्ञान न होने से अधिकतर व्यक्ति दुविधा में पड़ जाते है..? राष्ट्रियकृत बैंकों की शाखाओं में अंग्रेजी का खेल समाप्त करने की दिशा में सरकार को पहल करना चाहिए। सदन सोनी का मानना है कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है। यह आम बोल चाल की सहज में समझ में आने वाली भाषा है। लेकिन बिडम्बना की बात है कि अनेक शासकीय विभागों, बैक शाखाओं में अभी तक अंग्रेजी भाषा में लिखित अनुबंध पत्र भरवाये जाते है, ये एग्रीमेन्ट फार्म बिना समझे उपभोक्ताओं का इन पर हस्ताक्षर करने से कई समस्याआएं पैदा हो रही है और एक तरह से राष्ट्रभाषा भी अपमानित हो रही है। वही सांईखेड़ा निवासी दीपक अग्रवाल का कहना है कि वर्तमान में काफी हद तक मा.न्यायालयों, रेल विभाग में हिन्दी का प्रयोग होने लगा है। किन्तु इसके बावजूद बैको सहित अनेक निजी कंपनियों जो लोगों को एग्रीमेन्ट कराकर सामन उपलब्ध कराने के साथ साथ धन भी देती है। वह अपना अंग्रेजी को अपने दामन से लगायी बैठी है, जो अपना अंग्रेजी भाषा के माध्यम से कौन से एग्रीमेन्ट ले लेती है उसका उपभोक्ता को पता नही रहता है और वह उस पर अपनी सहमती का ठप्पा लगा देता है। इसी प्रकार से नगर के नर्मदा कालोनी निवासी रजनीश कौरव का कहना है कि उपभोक्ताओं में ऋण लेने खासा लाभ देने वाली मशीने खरीदने की स्वाभाविक बैचेनी रहती है। इस हड़बड़ी के चलते कई कंपनियाँ अधिकतर उपभोक्ताओं से अंग्रेजी भाषा में लिखें अनुबंध पत्र भरवा लेती है, जिसके चलते बाद में देखने मिलता है कि इन एग्रीमेन्ट फार्मो पर उतावली में दस्तखत कर उपभोक्ताओं को पश्चयाताप की आग में तपना पड़ता है? बेतहर यही होगा कि सभी कंपनियाँ हिन्दी भाषा में अनुबंध पत्र प्रकाशित कर उपभोक्ताओं का विश्वास जीतने का प्रयास करें तभी हम हमारे देश में हिन्दी को सम्मानित कर पाने में सफल हो सकते है।

अंधे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में सफल हुई विजय पाल की टीम, राजेश कुलदीप की जुगल जोड़ी ने किया कमाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

अक्सर देखा जाता है कि किसी विवाहित महिला के गुम होने की घटनाये वर्षो तक पुलिस थानों में दर्ज होने के बाद वर्षो तक पेन्डिग पड़ी रहती है..? मगर कुछ अधिकारी इस तरह होते है कि उन्हें गंभीरता से लेते हुये कार्यवाही करने के साथ उनके पीछे छिपे हुये सही कारणों का जब पता लगाने का प्रयास करते हुये है। जिसकी सच्चाई सनसनी के रूप में ऊभरकर सामने आने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ पलोहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिरह कला से एक माह पहले गायब हुये एक 22 वार्षिय विवाहित युवती के रूप में देखने मिली है। इस गुत्थी को सुलझाने में थाना प्रभारी विजय पाल की टीम द्वारा जिस तरह तत्परता का परिचय दिया गया जिसके चलते यह मामला एक अंधे हत्याकांड के रूप में सामने आकर सनसनी फैलाने से नही चूक पाया है..? इस तरह अंधे हत्या कांड की गुत्थी सुलझाने में विजय पाल की टीम शामिल राजेश व कुलदीप की जुगल जोड़ी ने एक बार फिर अपना कमाल दिखाते हुये आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी है...? इस अंधे हत्याकांड की सफलता का खुलासा करते हुये पुलिस द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि बीते हुये माह यानि की 6 अगस्त को ग्राम चिरह कला निवासी राकेश मिश्रा द्वारा पुलिस थाने में अपनी 22 वार्षिय विवाहित पुत्री के गुम होने की शिकायत दर्ज कराई गई कि वह रक्षा बंधन के मौके पर अपने मायके यानि की चिरह कला आई हुई थी। मगर अचानक गायब हो गई है। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये थाना प्रभारी विजय पाल द्वारा पीड़ित पिता की शिकायत पर बेटी के गुम होने की शिकायत दर्ज कराते हुये अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अगवत कराया गया। वही जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना द्वारा इस मामले में अपनी ओर से तत्परता का परिचय देते हुये टीम बनाने के आदेश दिये जाने पर अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन में एक टीम बनाई गई। इस टीम में थाना प्रभारी पलोहा विजय पाल के आलवा निरीक्षक प्रदीप सराफ सहित एस आई विजय द्विवेदी, ए एस आई राकेश दीक्षित, प्रधान आरक्षक कुलदीप सोमकुंवर, सागर सोनकर, तरूण मेहरा,आरक्षक राजेश बागरी, गोरीशंकर, प्रतीक जाटव, कपित राजपूत, लक्ष्मी नागपुरे, सुमित सहित महिला आरक्षक रंजीता राजपूत, सायवेर सेल से देवेन्द्र व हेमंत को भी शामिल किया गया था। क्योंकि इस तरह के पेचिन्दा मामलों की गुत्थी सुलझाने के लिये प्रधान आरक्षक कुलदीप सोमकुंवर व राजेश बागरी की जुगल जोड़ी को माहिर माना जाता है। इसी के चलते जिले के अंतर्गत घटित होने वाली इस तरह की घटनाओं की जांच में पुलिस अधिकारियों द्वारा इस टीम को शामिल किया जाता है। इस तरह बनाई गई टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुये जांच शुरू की गई तथा तकनीकी माध्यमों से पतासी किये जाने के बाद पता चला कि गुम युवती का पति नितिन दुबे लम्बे समय से फरार चल रहा है तथा गुम होने के समय उसके चिरह कला क्षेत्र में मौजूद होने की जानकारी प्राप्त होने के चलते पुलिस टीम द्वारा युवती के पति नितिन दुबे निवासी बरगी कालोनी गोटेगांव को बीते हुये दिवस संदेह के आधार पर दादा महाराज नरसिंहुपर के पास से अभिरक्षा में लेते हुये पूछताछ की गई तो शुरूआती तौर पर वह कुछ बताने के लिये तैयार नही हुआ। मगर जब पुलिस की टीम में शामिल कुलदीप व राजेश की जोड़ी द्वारा संदेही से पूछताछ की जाती है तो किसी रिकार्डर के तरह सत्य बोलने से नही चूकता है। इसी प्रकार का हाल नितिन दुबे का देखने मिला और उसने ने किसी व्यक्ति से संबंध होने की शक के चलते अपनी पत्नी का गला घोटकर हत्या करने की बात स्वीकार की गई। पुलिस ने खुलासा में बताया है कि आरोपी द्वारा 6 अगस्त को चिरहकला पहुंचकर अपनी पत्नी को किसी बहाने से बाहर बुलाया और उसकी हत्या करने के बाद एन एच 45 रायसेन जिले के सुल्तानपुर के समीप जंगल की झाड़ियो में इस सोच के चलते फेक दिया गया कि यहां पर किसी को कोई पता ही नली चल पायेगा। इस तरह घटना अंधे हत्या कांड की गुत्थी सुझलाते हुये एस आई विजय पाले की टीम द्वारा सफलता हासिल करने के बाद मृतिका के पति को गिरप्तार करते हुये जंगल क्षेत्र के उस स्थान पर लेकर पहुंची जहां पर उसने सच्चाई छिपाने के लिये अपनी पत्नी की लाश को फेका गया था। मौके से पुलिस द्वारा मृतिका की हड्डी सहित अन्य सामग्री जप्त करते हुये। पत्नि की हत्या के आरोप में पति को गिरप्तार करते हुये न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। इस तरह लगभग एक माह पहले पलोहा थाना क्षेत्र के ग्राम चिरह कला अपने मायके से गायब हुये 22 वार्षिय विवाहित युवती की सच्चाई का पता लगाने में अंधे हत्या कांड के रूप में सामने आये मामले के आरोपी को विजय पाल की टीम पकड़ने में सफल हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने आमजन के बीच बैठकर किया जन संवाद

जन सहयोग से कानूनी व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है- मीना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जब पुलिस के सक्षम अधिकारी जनता के बीच बैठकर उनकी समस्याये सुनने के साथ अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिये सुझाव मांगते है तो निश्चित ही अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ कानूनी व्यवस्थाओं में मजबूती देखने मिलने से नही चूकती है..? इस बात की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर में उस समय देखने मिली जब जिले के नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा गाडरवारा पहली बार दौरा करते हुये सबसे पहले उन्होंने पत्रकारों से मुनालकात करने के बाद आम जनता के बीच पहुंचने से नही चूक पाये। अभी तक देखा जाता था कि जिला स्तर पर बैठे अधिकारियों का आम जनता से दूरी का परिणाम इस तरह बना रहता था कि आमजन की समस्याओं का समाधान मात्र कागजों पर होते हुये देखा जाता था और लोगों की समस्या जहां की तहां देखने बनी रहने से नही चूक पाती थी। मगर पहली बार जिस तरह जिस तरह जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता के बीच बैठकर चर्चा करने का निर्णय लिया है उसकी लोगों द्वारा सराहना तो की जा रही है। वही दूसरी ओर इससे निश्चित लोगों के दिलों में पुलिस के प्रति सहयोग की भावना उत्पन होने लगेगी। क्योंकि अपराधों पर अंकुश लगाने में पुलिस तभी सफल हो सकती है जब उसका आम जनता से पूरा सहयोग मिलता है। इसी सोच के चलते बीते हुये दिवस जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना द्वारा गाडरवारा का दौरान करते हुये पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने की पहल, आम जनता से सीधा संवाद करते हुये समाधान की प्रक्रिया की शुरूआत की गई है वह निश्चित तौर से अपराधों पर अंकुश लगाने में काफी हद तक सफल होने से नही चूक पायेगी। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने गाडरवारा क्षेत्र के प्रथम दौरे पर ही जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। इस जनसंवाद का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को सुनना, उन पर त्वरित कार्यवही करना तथा पुलिस व जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने के साथ साथ अपराध एवं अपराधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाना है। इस जन संवाद कार्यक्रम में मुख्य रूप से गाडरवारा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले गाडरवारा, चीचली, सांईखेड़ा व डोगरगांव थाना को शामिल किया गया था। वही बताया जाता है कि जन संवाद के मुख्य बिंदु नशा मुक्ति, साईबर क्राइम, यातायात व्यवस्था में सुधार के आलवा संगठित अपराध व अपराधियों पर पूर्ण अंकुश लगान की ओर सख्त कदम उठाना है। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसंवाद के माध्यम से आमजन के सुझावों को गंभीरता से लेते हुये खुलकर चर्चा की गई। वही शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिये गये। इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना के साथ अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, नगर निरीक्षक गाडरवारा विक्रम रजक के आलवा सांईखेड़ा थाना प्रभारी प्रकाश पाठक व अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारीगणों सहित नगर के गणमान्य लोग मौजूद थें। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा आमजन को संदेश देते हुये कहा कि जन चौपाल जैसे आयोजनों के माध्यम से हम समाज की जमीनी सच्चाइयों से रूबरू होते हैं और जनसहभागिता से ही कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है।

सोलह बोल की एक कहानी सुन महिलाओं ने भक्तिभाव से की महालक्ष्मी की पूजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। घरों को धनधान्य से पूर्ण करने का पर्व महालक्ष्मी पर्व पर कल रविवार को अश्विन माह की अष्ठमी को शहर सहित क्षेत्र के गांवों की महिलाओं ने उत्साह, श्रद्धा के साथ महालक्ष्मी पर्व मनाया गया।

बताया जाता है कि महालक्ष्मी पर्व के चलते बाजार में काफी चहल पहल दिखाई दे रही थी और नगर कं झंडाचौक पर ऐरावत हाथी पर सबार महालक्ष्मी की मिट्टी की प्रतिमाएं और पूजन सामग्री खरीदने वालों की भीड़ सुबह से उमड़ने की शुरूआत हो गई थी। वही शाम ढलने के बाद महिलाओं ने सजे अपने घर आंगनों में महालक्ष्मी, हाथी की मिट्टी की प्रतिमाएं स्थापित कर उनका पंचामृत से स्नान कराने के बद विधि विधान से पूजन कर सोलह बोल की कहानी का पाठ कर सुख समृद्धि, वैभव की देवी महालक्ष्मी की प्रतिमा के सामने 16 दीप जलाकर उन्हें विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया तथा ब्राम्हणों को भोजन कर महालक्ष्मी व्रत का उद्वायापन किया। इस दौरान देखा गया कि महिलाओं ने पूजन करने पहुंचे विद्ववान पंडित से लक्ष्मी जी की कहानी सुन उनका आर्शीवाद ग्रहण किया तथा सुख समृति की कामना की गई।

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन, ग्राम झांझनेखड़ा में बहेगी अब धर्म की गंगा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। चल रहे पितृ पक्ष में जहां लोग अपने पितृों की पूजन करते हुये देखे जा रहे है तो अनेक जगहों पर धार्मिक आयोजन होने से नही चूक रहे है। क्योंकि इन दिनों किसी भी प्रकार का धार्मिक आयोजन करना निश्चित तौर से काफी पुण्य का माना जाता है। इसी प्रकार से कल 14 सितम्बर से समीपस्थ ग्राम झांझनखेड़ा में भी भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। क्योंकि सनातन धर्म में भागवत कथा का विशेष महत्व बताया गया है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं यही बल्कि आध्यात्मिक जागरण और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का सार भी है। किसी भी भागवत कथा के शुभारंभ से पहले कलश यात्रा निकालने की परंपरा होती है, जो पूरे आयोजन को शुभता प्रदान करती है। कलश यात्रा के दौरान महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भक्ति भाव में सराबोर होकर लाल और पीले रंग के वस्त्रों में शोभायात्रा निकालती हैं। इस यात्रा में भक्तगण भजन-कीर्तन करते हुए कथा स्थल तक पहुंचते हैं, जिससे वातावरण भी भक्तिमय हो जाता है। कलश यात्रा को पवित्रता, सकारात्मक ऊर्जा और शुभ संकेत का प्रतीक माना जाता है। इस तरह आयोजन के पूर्व निकाली जाने वाली कलश यात्रा देवी-देवताओं का आह्वान करने के साथ-साथ आस-पास के वातावरण की शुद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। शास्त्रों की मानें तो कलश का पानी जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है, जो जीवन का आधार है। इसे भगवान विष्णु का प्रतीक भी माना जाता है, इसलिए भागवत कथा से पहले कलश यात्रा निकालना अत्यंत शुभ होता है। इसी के चलते भव्य कलश यात्रा गांव के शंकर मंदिर से निकाली गई जो आयोजन स्थल पर पहुंचने के बाद समापन होने के बाद श्रीमद भागवत कथा को शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस कथा वाचक पंड़ित कमलेश शास्त्री झांझनखेड़ा वालों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन सुनाया गया। वही प्रतिदिन भागवत कथा के दौरान दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओ का मार्मिक रूप से वर्णन सुनाया जावेगा। इस तरह अब ग्राम झांझनखेडा निवासी मोहन सिंह ममार के खेत पर बने हुये मकान में लगातार एक सप्ताह तक धर्म की गंगा बहने से नही चूकेगी और ग्राम सहित क्षेत्र के लोगा इसमें गोता लगाते हुये पुण्य लाभ अर्जित करेगे।

करोड़ों की लागत से बने स्वास्थ्य केंद्र का हस्तांतरण अटका

अनूपपुर। मेडियारास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मेडियारास का निर्माण 295.45 लाख रुपये की लागत से लोक निर्माण विभाग (भवन) अनूपपुर द्वारा किया गया था। तय समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य 31 जुलाई को पूर्ण भी कर लिया गया। लेकिन आज दिनांक तक यह भवन स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित नहीं किया गया है। निर्माण एजेंसी ने अपना स्टाफ भी हटा लिया है जिससे भवन खाली पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हस्तांतरण में देरी से भवन को क्षति या चोरी का खतरा बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग का तर्क है कि उनके पास पर्याप्त डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की कमी है इसलिए वे भवन लेने में आनाकानी कर रहे हैं। आमजनता का कहना है कि जब स्टाफ ही उपलब्ध नहीं है तो करोड़ों रुपये का भवन बनाने का कोई अर्थ नहीं निकलता। जनता का यह भी कहना है कि शासन द्वारा समय पर भवन तो बना दिया गया लेकिन आज भी क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य सुविधा से वंचित हैं। यह लापरवाही न केवल शासन के धन का अपव्यय है बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य अधिकारों से भी खिलवाड़ है।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांवों का आत्मनिर्भर होना आवश्यक: प्रभारी मंत्री

पांच दिवसीय सखी प्रशिक्षण का हुआ समापन

उमरिया। अनुसूचित जाति कल्यांण मंत्री नागर सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्यर में कृषि विज्ञान केंद्र डबरौहा में पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि कृषि सखी बेहतर तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त। करके गांवों में किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व बताएं। प्राकृतिक खेती कम लागत में अधिक उत्पाकदन करने का अच्छा माध्य म है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हाछन पर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती के लिए पशुपालन भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि धरती आबा योजना के तहत विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं, पशुपालन हेतु उनका सहयोग लिया जा सकता है।पशुपालन आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रमुख स्तांभ है। महिलाओ को शशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। महिलाओ को रोजगार,स्व सहायता समूह,नौकरियों में आरक्षण आदि से आत्मथनिर्भर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।उन्होंने कहा कि किसान गांव में ही सभी प्रकार की वस्तुएं उपलब्धक करने का प्रयास करें,जिससे गांव की आर्थिक समृद्धि में तेजी से विकास हो। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों मे आने वाले त्योहारो पर स्वदेशी चीजो को अपनाएं तथा लोकल दुकानदारों से समान खरीदने का प्रयास करें। उन्होंने महिलाओं को सुझाव की वो समूह बनाकर गांव में उत्पादित दाल बनाएं जिसे स्व सहायता समूह के माध्यनम से खरीदा जाएगा और छात्रावासों, आश्रमों में उनका उपयोग होगा। स्कूयलो में बच्चों को प्राप्त होने वाले गणवेश की सिलाई का कार्य महिलाएं लोकल स्तर पर करें जिससे उनकी आय में वृद्धि हो। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों के विषय में चर्चा करते हुए इसे बढ़ावा देने पर जोर दिया।

विद्यालय में उमंग दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पथरहटा में उमंग दिवस पर कार्यक्रम संपन्न हुआ । इस अवसर पर उमंग दिवस की थीम उमंग है तो जिंदगी में रंग है के माध्यम से सभी बच्चों को उमंग कार्यक्रम के बारे में एवं जीवन कौशल की जानकारी स्कूल हेल्थ एंबेसडर द्वारा दी गई । इसके साथ ही राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में एवं किशोरावस्था में हो शारीरिक परिवर्तन राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के घटक पर चर्चा की गई । एचआईव्ही , एड्स जागरूकता एवं उमंग स्वास्थ्य केंद्र में दी जाने वाली सेवाओं के विषय में चर्चा की गई एवं और सभी बच्चों से फीडबैक लिया गया । बच्चों के साथ प्रश्नोत्तरी एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

नेशनल लोक अदालत संपन्न

उमरिया। जन-जन तक न्याय सुलभ कराने के उद्देश्य की अवधारणा को साकार रूप प्रदान करने के लिये जिला एवं सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार गुप्ता के निर्देशन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 11 खण्डपीठों का गठन किया गया था, जिसमें से 8 जिला न्यायालय उमरिया में 2 खण्डपीठ तहसील न्यायालय बीरसिंहपुर पाली एवं 1 खण्डपीठ तहसील न्यायालय मानपुर की शामिल है । नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ अरूण प्रताप सिंह, प्रधान जिला न्यायाधीश/कुटुम्ब न्यायालय द्वारा माॅ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

अमरपुर।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन और रासेयो प्रभारी डॉ. सीमा डावर के मार्गदर्शन में एवं डॉ. निगहत खान हिन्दी विभाग के संयोजन में 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हिन्दी विभाग, रासेयो प्रकोष्ठ, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. निगहत खान हिंदी विभाग द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया की हिंदी हमारे देश का गौरव हैं। यहां हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम करती हैं। डॉ. सीमा डावर द्वारा के द्वारा बताया गया कि हिंदी हमारी अस्मिता का प्रतीक हैं। इनके अलावा डॉ. स्वर्णिम पटेल, डॉ. सुनील काकोड़िया, डॉ. अनिल कुशराम एवं हुस्नआरा अंसारी ने अपने वक्तत्व में कहा कि हिंदी के द्वारा हम अपने विचारों को और अधिक स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बैगा छात्र खतरे के साए में भविष्य संवारने को मजबूर

अमरपुर। शासन शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए गुणवत्तायुक्त शिक्षा आदिवासी क्षेत्रों में देने का दावा तो करती हैं। परंतु संबंधित विभाग की उदासीनता से जर्जर भवन में बैठकर बैगा आदिवासी छात्र अपना भविष्य संवारने की कोशिश कर रहे हैं। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर क्षेत्रांतर्गत प्राथमिक शाला चंद्रागढ़ जोकि बैगा बाहुल्य गांव हैं। जहां पर एक उन्नत प्राथमिक शाला संचालित हैं। जहां एक शिक्षिका एवं एक अतिथि शिक्षक पदस्थ हैं। जो शाला अतिथि शिक्षक की भरोसे ही चल रहा हैं। शिक्षिका अधिकांश समय बाहर ही रहती हैं। उक्त शाला भवन भी जर्जर हो चुका हैं। ऊपर छत में पन्नी लगाकर पानी अंदर आने से रोकने की कोशिश की गई हैं। जहां अंदर छत का प्लास्टर गिरने का खतरा भी बना रहता हैं। साथ ही भवन का लेंटर जर्जर हो चुका हैं। वहीं पर दूसरी समस्या पेयजल का भी हैं। जहां पर पानी टंकी रखकर पाईप लाईन टोंटी बगैरह तो लगा दिए हैं। परंतु उसका उपयोग अभी तक नहीं हो पाया हैं। कारण की टंकी भरने की व्यवस्था ही नहीं हैं। अतिथि शिक्षक के द्वारा बताया गया कि अभी बारिश में गांव के हैंडपंप का उपयोग होता हैं। फिर घाट के नीचे झिरिया के पानी का उपयोग किया जाता हैं। अकेले शिक्षक बरामदे में ही बैठकर छात्रों को पढ़ाते हैं। इस गांव में वन विभाग के द्वारा आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया जा रहा था। परंतु दीवार खड़ी कर विगत 5 वर्षों से अपूर्ण हैं। दूसरी आंगनबाड़ी भवन निर्माण किया जा रहा हैं, जोकि पूर्णता की ओर हैं। परंतु उक्त भवन का काम भी वर्तमान समय में बंद हैं। चंद्रागढ़ एक बैगा ग्राम होने के बावजूद भी विकास से कोसों दूर हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आवास बन जाते हैं। परंतु अन्य विकास के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। जिस वजह से यहां के ग्रामीणों को पिछड़ापन महसूस हो रहा हैं।

नर्मदा जल निर्मल बहे संकल्प के साथ सेवादारों ने की घाटों की सफाई

डिंडौरी। माँ नर्मदा की सेवा में समर्पित मैया अभियान अंतर्गत रविवार प्रातः 7 बजे से एक बार पुनः नगर के मुख्य डेम घाट पर स्वच्छता सेवा आयोजित की गई। सफाई के दौरान घाट किनारे फैली पालीथिन ,प्लास्टिक ,कपडे, तथा अन्य कचरे को एकत्रित कर कचरा गाड़ी में निस्तारण किया गया । मैया अभियान के सेवादारों ने पूरे घाट की झाड़ू लगाकर सफाई की भी की। उपस्थित श्रद्धालुओं को घाटों को स्वच्छ रखने एवं गंदे कपड़े न धोने की सलाह दी गई। रविवार को डिंडोरी टीआई सुभाष उइके ने भी सेवादार के रूप में स्वछता श्रम दान किया। इस दौरान सभी ने संकल्प लिया - स्वच्छ हवा और निर्मल जल रहे , तो जीवन होगा आसान । इनको जो बचा सके, वही सच्चा इंसान । मैया अभियान जिंदाबाद , मैया अभियान चलता रहे के नारों के साथ उत्साह पूर्वक स्वच्छता सेवा सम्पन्न की गईं। इस दौरान सेवादार डॉ संतोष परस्ते, आर पी कुशवाहा ,शाहिद खान, जितेन्द्र दीक्षित , मनोज चौकसे ,गणेश गवले , रामविशाल मिथलेश , ओमवीर जाट , भागवत यादव , आशीष तिवारी ,चंदन चौहान , नीरज लाल माही बरोतिया , याथार्त यादव ,अवध गोहिया ,संतोष परमार ,महेंद्र उचेहरा उक्त सभी नियमित सेवादारों ने अपना श्रम माँ रेवा को समर्पित कर संकल्प लिया

कम्प्यूटर बाबा की गौ माता रक्षा न्याय यात्रा पहुँची डिंडौरी

डिंडौरी। रविवार करीब 1 बजे प्रसिद्ध सन्त कम्प्यूटर बाबा का डिंडोरी आगमन हुआ जहाँ भारत माता चौक में उनका विधायक पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम ने अपने साथियों के साथ उनका स्वागत किया ज्ञात है कि कम्प्यूटर बाबा के द्वारा पूरे प्रदेश में गौ माता रक्षा न्याय यात्रा निकाली जा रही है गौ माता न्याय यात्रा में साधु संत के साथ ही किसान भाई व गौ रक्षक और समाजसेवी राजनीतिक दलों के प्रमुख भी शामिल हो रहे है ।।कम्प्यूटर बाबा ने गौ रक्षा के लिए डिंडोरी नगर में भ्रमण कर कर जन सहयोग मांगा उन्होंने दर्जनों संतों और समर्थकों के साथ नगर में दान पेटी लेकर घूम-घूम कर जन सहयोग अभियान चलाया आगे कंप्यूटर बाबा ने बताया की गौ माता न्याय रक्षा यात्रा नर्मदापुरम से 7 अक्टूबर को प्रारंभ होगी और यह यात्रा 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री मोहन यादव के समक्ष पहुंचेगी इस यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में गौ माता और साधु संत और प्रदेश के युवा समाजसेवीजन उपस्थित रहेंगे यात्रा के दौरान गौ माता की सिंगो में ज्ञापन भी टांगा जाएगा ।। यात्रा में शामिल विधायक ओमकार मरकाम ने कहा कि गौ माता न्याय यात्रा का हम माँ नर्मदा की पावन भूमि में स्वागत करते है और इस यात्रा को निकलने के लिए कम्प्यूटर बाबा का आभार भी प्रकट करते है जिन्होंने हमारी पूज्यनीय गौ माता की रक्षा के लिए इतना सराहनीय कदम उठाया आगे उन्होंने कहा कि वर्तमान में सड़कों पर आवारा घूम रही गौ माता की स्थिति चिंताजनक है सड़क दुर्घटनाओं में आए दिन सैकड़ों गौ माता की मौत हो रही है इस विषय पर सरकार को गौ माता के रहने और भोजन की पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए और योजनाबद्ध तरीके से संरक्षण देना चाहिए।।महाराष्ट्र की तरह मध्य प्रदेश में भी गौ माता को ₹राजमाता₹ का दर्जा देने की मांगकंप्यूटर बाबा ने महाराष्ट्र सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 1 साल पहले ही गौ माता को राजमाता का दर्जा दे चुका है और संरक्षण करने का लगातार प्रयास भी कर रही है इसी तर्ज पर मध्य प्रदेश में अभी गौ माता को राजमाता का दर्जा देने की कंप्यूटर बाबा ने मांग की है।।नगर में यात्रा और जन सहयोग में प्रतिष्ठित व्यापारी मुकेश तिवारी बेनी अग्रवाल हरिराज बिलैया पार्षद ज्योरितादित्य भलावी कॉंग्रेस नेता सैफ़ी खान राधेलाल नागवंशी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।।

ग्रामीणों ने उमंग सिंघार को सौंपा ज्ञापन, दलका खमरिया व शक्ति भगदू में बढ़ती पानी की परेशानी पर जताई चिंता

ग्राम वासियों ने प्रतिपक्ष नेता को विस्तार से अपनी आपबीती सुनाई और शीघ्र समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा।

शहपुरा। डिंडोरी जिला के शहपुरा क्षेत्र ग्राम टिकरा खमरिया (कॉलोनी), दलका खमरिया, शक्ति भगदू विकाश खंड शहपुरा में प्रदेश कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के दो दिवसीय दौरे के दौरान ग्राम दलका खमरिया व शक्ति भगदू में ग्रामीणों ने उन्हें जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र में पिछले चार वर्षों से पानी की गंभीर समस्या से होने वाले कष्टों की वास्तविक तस्वीर सामने रखी। ग्राम वासियों ने प्रतिपक्ष नेता को विस्तार से अपनी आपबीती सुनाई और शीघ्र समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्राम संपत सिंह धुर्वे, शिवचरण मार्को, दिनेश वरकड़े (मटका), फूल सिंह, जिया लाल मार्को, सुखलाल धुर्वे, धनीराम तेकाम, दान शाह मार्को, संदीप कुमार रैदास, शुभिया है मार्को, ऋणी बाई सहित युवा संतोष धुर्वे व अमर शाह मरावी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।उमंग सिंघार ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से सुना और इसे विधानसभा में प्रमुख मुद्दा बनाकर सरकार से समाधान दिलाने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने इस अवसर पर कांग्रेस नेतृत्व के प्रति अपनी आस्था और विश्वास व्यक्त किया।

डोला में भालू का आतंक, कई सूचना के बावजूद वन विभाग की नहीं टूट रही नींद

13 वर्षीय बच्ची पर हमले के बाद दहशत में वार्डवासी

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद डोला क्षेत्र में लगातार भालुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। आए दिन वार्डों में भालुओं के घुसने और लोगों पर हमला करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताज़ा मामला वार्ड क्रमांक 4 का है, जहाँ रविवार सुबह करीब 4:45 बजे भालू ने 13 वर्षीय रागनी राजभर पर हमला कर दिया। घायल बच्ची को मनेन्द्रगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उसके शरीर पर सात टांके लगे। फिलहाल उसका उपचार जारी है और परिवार भयभीत है।

रतजगा को मजबूर वार्डवासी

स्थानीय नागरिकों का कहना है, कि कई बार भालू रात में घरों में घुसकर तोड़फोड़ करते हैं, और सामने आने पर हमला कर देते हैं। अब हालत यह है कि लोग अंधेरा होते ही घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। वार्डवासियों का कहना है कि हम रोज डर के साये में जी रहे हैं, ना बच्चों को सुरक्षित छोड़ सकते हैं, ना खुद चैन से सो पाते हैं। नागरिकों ने कई बार वन विभाग के अधिकारियों और जिले के उच्च अधिकारियों को सूचना दी। यहाँ तक कि स्थानीय पत्रकारों ने भी बार-बार खबरों के माध्यम से प्रशासन को आगाह किया। इसके बावजूद वन विभाग सिर्फ़ आश्वासन देता रहा, लेकिन कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया।

पार्षद ने लिखा पत्र "जनता को बचाइए"

वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद श्रीमति प्रियंका सिंह ने वन विभाग को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि नगर मे शाम होते ही भालुओं का आतंक बढ़ जाता है जिससे हमारे वार्ड सहित समुचा डोला नगर भालू के डर से भयभीत है जिसे तत्काल पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि नगर के लोगों की जान-माल की रक्षा हो सके। पार्षद ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो जनता आंदोलन का रास्ता अपनाएगी। गौरतलब है कि हर बार वन विभाग यह कहकर पल्ला झाड़ लेता है कि "भालू छत्तीसगढ़ से आ रहा है", जबकि छत्तीसगढ़ का वन विभाग इसे मध्यप्रदेश का बता देता है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा का यह खेल आखिर कब तक चलेगा? जनता सवाल कर रही है कि प्रशासन कब जिम्मेदारी लेगा और कब शुरू होगा आदमखोर भालू का रेस्क्यू आपरेशन। स्पष्ट है कि डोला में वन विभाग और प्रशासन की लापरवाही के कारण जनता दहशत में जी रही है। यदि जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

इनका कहना है

भालू की संख्या ज्यादा है रेस्क्यू करने में दिक्कत होती है फिर भी हम रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारी को सौंपेंगे जल्द ही कुछ न कुछ निराकरण किया जाएगा।

विपिन कुमार पटेल, वन मण्डलाधिकारी वन विभाग अनूपपुर

जिला स्तरीय मोगली क्विज प्रतियोगिता उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर में संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विद्यार्थियों में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति लगाव व्यक्त कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय मोगली प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के विवेकानंद सभागार में 13 सितंबर को संपन्न हुआ। इस क्विज प्रतियोगिता में अनूपपुर जिले के चार विकास खंडों से 16 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन वरिष्ठ वर्ग और कनिष्क वर्ग से किया गया। वरिष्ठ वर्ग में जैतहरी ब्लॉक से बालभारती विद्यालय जैतहरी के बालक और बालिका दोनो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कनिष्क वर्ग में केंद्रीय विद्यालय अनूपपुर के छात्र एवं कोतमा ब्लॉक शा. मा. विद्यालय बेसिक कोतमा की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों ही वर्गों के प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी राज्य स्तरीय मोगली क्विज प्रतियोगिता के लिए पेंच राष्ट्रीय अभ्यारण सिवनी के लिए दिनांक 26 अक्टूबर को रवाना होंगे जहां पर 27 से 29 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के पर्यावरण संरक्षण को बचाने एवं मध्यप्रदेश से सम्बन्धित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों को सवाल जिला क्विज मास्टर शिवदत्त पाण्डेय एवं हेतराम साहू द्वारा पूछे गए जिसका उन्होंने बड़े बेवाकी से जवाब दिया। इस दौरान राज्य स्तरीय विजेता प्रतिभागियों को पुरुष्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अनूपपुर तुलाराम आर्मो एवं शा.उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के वरिष्ठ व्याख्याता राकेश कुमार बांधवा के द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने अतिथि उद्बोधन में जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी को अपने प्रकृति से प्रेम करना चाहिए तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सदा प्रयासरत रहना चाहिए। यह प्रतियोगिता इको क्लब के मास्टर ट्रेनर देवेश सिंह बघेल के मार्गदशन मे कार्यक्रम का संचालन जिला क्विज मास्टर शिवदत्त पाण्डेय शासकीय हाई अमिलिहा द्वारा किया गया।

खबर संक्षेप

शिक्षकों के उन्मुखीकरण हेतु संवाद का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस जन शिक्षा केंद्र बरहटा में एकीकृत विद्यालय कठोतिया में शैक्षिक संवाद का आयोजन शासन के निर्देशानुसार शिक्षको के उन्मुखीकरण हेतु किया गया संवाद का प्रारंभ सरस्वती वंदना से किया गया जिसका प्रस्तुतिकरण तेजीलाल यादव और जमुना काछी द्वारा किया गया सहजकर्ता के तौर पर प्रतिभा किसनपुरी रही इसके अलावा पूरन यादव द्वारा इंग्लिश वर्ड गतिविधि की गई साथ ही संकुल प्राचार्य एस के बक्शी और नोडल अधिकारी दीपक दुबे जन शिक्षक उपस्थित रहे।

जहरीली वस्तु के सेवन से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस युवक द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अभिषेक पिता जगदीश कुशवाहा उम्र 24 वर्ष निवासी बिलथारी द्वारा अज्ञात कारणों से अपने ही घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे उपचार हेतु परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

युवक को सर्प ने काटा, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस युवक को खेत मे काम करते समय सर्प ने काट लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनेश पिता दयाराम लोधी उम्र 25 वर्ष निवासी बहादुरपुर थाना स्टेशनगंज को खेत मे काम करते समय सर्प ने काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर हालत गंभीर होने के कारण जबलपुर रेफर कर दिया गया।

जहर के सेवन से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जहर खाने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महेश कहार पिता बड्डे कहार उम्र 20 वर्ष निवासी डोंगरगांव द्वारा अपने घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार शव का परीक्षण करा कर परिजनों को सौंप दिया।

शांति समिति की बैठक 18 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में नवदुर्गा का त्यौहार 22 सितंबर से शांति पूर्वक मनाए जाने के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक नरसिंह भवन कलेक्ट्रेट नरसिंहपुर में गुरुवार 18 सितम्बर को सायं 4 बजे से आयोजित की जाएगी। यह जानकारी अपर जिला दंडाधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

सशक्त वाहिनी अभियान के तहत दिया जाएगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत सशक्त वाहिनी अभियान के तहत कक्षा 12 वीं पास बालिकाओं को पुलिस भर्ती सह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की लिखित परीक्षा व फिजिकल परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है। लिखित परीक्षा की तैयारी शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में सोमवार से शनिवार सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक कराई जायेगी। इसमें छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम के अनुसार सामान्य गणित, विज्ञान, बुद्धि तर्क शक्ति एवं सामान्य अंग्रेजी की तैयारी करायी जायेगी। शारीरिक प्रशिक्षण कार्यालय खेल विभाग नरसिंहपुर के सामने स्थित चर्च ग्राउंड नरसिंहपुर में रविवार को प्रात 07.30 से 9 बजे तक दिया जायेगा, जिसमें दौड़, गोला फेंक, लंबी कूंद, उंची कूंद इत्यादि व विभिन्न खेल जैसे क्रिकेट, फुटबॉल आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। 15 अगस्त एवं 26 जनवरी पर जिला स्तर पर आयोजित होने वाली परेड में विभागीय शौर्या दल के माध्यम से छात्राओं को शामिल किया जाएगा। चयनित छात्राओं को समय-समय पर प्रशिक्षण सामग्री, प्रशिक्षण के लिए निशुल्क स्टेशनरी व पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। इस कक्षा में जिले के विभिन्न अधिकारियों द्वारा भी समय- समय पर छात्राओं को यूपीएससी, एमपीपीएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन दिया जायेगा। इसका उद्देश्य गरीब, निर्धन व साधनहीन घर की अधिक से अधिक बालिकाएं पुलिस आरक्षक व अन्य शासकीय पदों पर चयन होकर सशक्त बन सके। कक्षा हेतु पहले आए पहले पाए के आधार पर कुल 100 बालिकाओं का चयन कर उनका पंजीयन किया जायेगा।

नशे के विरूद्ध पुलिस की कार्रवाई पुलिस ने आरोपियों का निकाला जुलूस

तीन आरोपियों से बीस ग्राम स्मैक जब्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे नशे विरुद्ध पुलिस द्वारा ठोस कार्रवाई की जा रही है। अवैध गतिविधियों एवं संगठित अपराधों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने, अवैध कारोबार करने वालों एवं गुंडे-बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के परिपालन में जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत जिले के विभिन्न थानों में लगातार धरपकड़ की कार्यवाहियाँ की जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा गया कि नशे के विरूद्ध हमारा अभियान जारी रहेगा।

20 ग्राम स्मैक की जब्त- नशे के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए कोतवाली पुलिस द्वारा तीन आरोपियों से 20 ग्राम स्मैक जब्त की गई। जिसका बाजार मूल्य लगभग दो लाख रूपए बताया गया। पकड़े गए आरोपियों मे विश्वास मेहरा निवासी शास्त्री वार्ड नरसिंहपुर से 7 ग्राम स्मैक जप्त की गई। वही दूसरे आरोपी अभिषेक यादव निवासी सदर शास्त्री वार्ड नरसिंहपुर से 7 ग्राम स्मैक जप्त हुई एवं आर्यन जयसवाल निवासी रामनगर बरगी कॉलोनी नरसिंहपुर से 6 ग्राम स्मैक जप्त की गई। पुलिस तीन मोबाइल एवं एक मोटरसाइकिल जब्त की गयी है। आरोपियों के विरूद्ध थाना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार कर जुलूस निकाला गया। जिसमे आरोपियों द्वारा ही कहा गया नशा करना पाप है पुलिस हमारी बाप है।

मुखबिर से मिली थी सूचना- उक्त कार्रवाई के संबंध मे पुलिस अधीक्षक डॉ ऋषिकेश मीणा द्वारा बताया गया कि मुखबिर की सूचना मिली पर पुलिस की टीम को सक्रिय किया गया जिसके परिणाम स्वरूप तीनों आरोपियों को एक साथ कुम्हडी रोड नहर के पास स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्यवाही में अति. पुलिस अधीक्षक, संदीप भूरिया एवं एसडीओपी, नरसिंहपुर मनोज गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली, निरीक्षक गौरव चाटे, उप निरीक्षक मनीष मरावी, आरक्षक जितेंद्र ठाकुर, पंकज राजपूत, प्रहलाद माधवे, रोहित चमपुरिया, महेंद्र ठाकुर, साइबर सेल, महिला आरक्षक कुमुद पाठक, नगर रक्षा समिति शिवम मालवीय की सराहनीय भूमिका रही है।

बीस हजार रुपए का गांजा जब्त- पुलिस अधीक्षक निर्देश पर जिले भर मे की जा रही कार्रवाई में थाना पुलिस गाडरवारा द्वारा एक आरोपी से एक किलो आठ सौ ग्राम गांजा जब्त किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी रामशंकर कौरव निवासी इमलिया पिपरिया थाना चीचली, जिला नरसिंहपुर से लगभग 20 हजार मूल्य का 01 किलो 806 ग्राम अवैध गांजा एवं एक मोबाइल ओप्पो कंपनी मोबाइल जब्त किया गया। आरोपी जमाडा रोड, गाडरवारा के पास गांजा विक्रय करने के लिए आया हुआ था। आरोपी के विरूद्ध थाना गाडरवारा में धारा 8/21 एन. डी. पी. एस. एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक विक्रम रजक, उप निरी अमित गोटिया, प्रधान आरक्षक रामगोपाल राजपूत, वरिष्ट्र आरक्षक रुपेन्द्र, सुजीत बागरी शिवम पटेल अक्षय श्रीवास्तव, सौरभ मिश्रा, महेन्द्र बारिया की सराहनीय भूमिका रही है। वही ठेमी पुलिस द्वारा आरोपी अभिषेक पटेल निवासी सूरवारी से 1 लाख 50 हजार मूल्य की 15 ग्राम स्मैक जब्त की गई।

उमंग उत्सव अन्तर्गत लघु कथा एवं कविता पाठ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस पी एम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करेली में प्रभारी प्राचार्य आशीष दुबे की अध्यक्षता कवि अशोक त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य एवं डा.नवनीत नारोलिया के विशिष्ट आतिथ्य में उमंग उत्सव का आयोजन किया गया। छात्राओं में खुश्बू साहू मोना कहार आबिया बी पूर्वा श्रीवास्तव शालनी मेहरा सना खान निशा जाटव राधिका साहू संजना ठाकुर राबिया अंजुम ने प्रेरणा गीत लघुकथा एवं स्वलिखित कविताओं का पाठ किया। मंजिल तक पहुंचने हेतु प्लान,सिक्का उछाल प्रतियोगिता सहित प्रश्नोत्तरी क्विज का आयोजन किया गया। ओज हास्य कवि अशोक त्रिपाठी ने बेटियों को आगे बढ़ने मंजिल मुकाम पाने हेतु प्रभावी मार्गदर्शन किया। उक्त अवसर पर आयोजन समिति द्वारा कविवर श्री त्रिपाठी का शाल श्रीफल से सम्मान व अभिनंदन किया गया। प्रभारी प्राचार्य आशीष दुबे डां. नवनीत नारोलिया उमंग उत्सव प्रभारी विनीता श्रीवास्तव एवं मेडम तृप्ति रघुवंशी ने छात्राओं को तनावमुक्त जीवन शैली प्रबंधन सहित सफलता पाने हेतु मार्गदर्शन दिया। शिक्षक कविवर रामनारायण कौरव ने भी भावमयी कविता पाठ किया।

कॉलेज के पुस्तकालय मे निकला सर्प मंचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस स्थानीय स्वामी विवेकानंद शास. स्ना. महाविद्यालय के पुस्तकालय मे दोपहर लगभग 6 फिट लम्बा जहरीला साँप देखा गया, जिससे लायब्रेरी मे बड़ी संख्या मे मौजूद छात्र-छात्राओं व कर्मचारियों मे अफरातफरी मच गयी और पूरे महाविद्यालयीन परिसर मे हड़कंप व भय का माहौल बन गया तथा सर्पमित्र को बुलाया गया। पुस्तकालय मे कार्यरत श्रीमती नीता ढीमोले व साथी कर्मचारियों ने सभी छात्र छात्राओं को पुस्तकालय से सूझबूझ व शांतिपूर्वक बाहर निकाला और लगातार साँप पर नजर रखते हुए लगभग तीन घंटे की भारी मशक्कत के बाद सर्प पकड़ने वाले करण कुमार के द्वारा सर्प को पकड़कर वन विभाग की टीम को सौंप दिया, जिसे बाद मे सुरक्षित तरीके से जंगल मे छोड़ दिया गया। इस प्रकार सही समय पर उठाये गये कदम एवं महाविद्यालय प्राचार्य, ग्रंथपाल व कर्मचारियों व छात्र छात्राओं के परस्पर सहयोग से महाविद्यालय परिसर मे दिनभर रहने वाले हजारों छात्र छात्राओं व कर्मचारियो के बीच की अनहोनी घटना-दुर्घटना होने से टल गयी। सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार सर्प पकड़ने वाले को छात्र व छात्राओं द्वारा आपस मे चंदा कर सहयोग राशि चुकाई गई जबकि यह जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की थी। पुस्तकालय के पास बहुत घास कचरा है जिसकी कभी सफाई नहीं करवाई जाती है, उल्लेखनीय है कि वहाँ पिछले साल एक कर्मचारी को सांप ने काट भी लिया था, महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भविष्य मे सुरक्षा की दृष्टि से प्राथमिकता से ठोस कदम उठाये जाने की मांग छात्र छात्राओं द्वारा की गई है।

भारतीय किसान संघ ने PM और CM के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

गोटेगांव। विधानसभा के तहसील कार्यालय पहुंचकर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को किसानों की 17 सूत्रीय मांगों को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौपा वहीं उन्होंने कहा कि खाद्य वितरण को लेकर सरकार को एक नीति बननी चाहिए जिससे किसानों को सुलभता से खाद्य मिल सके वही समर्थन मूल्य पर किसानों के द्वारा बेची गई मूंग और उड़द का भुगतान न होने से किसान परेशान है प्रशासन जल्द से जल्द किसानों का भुगतान करें आज पूरे प्रदेश में भारतीय किसान संघ के द्वारा तहसील स्तर पर ज्ञापन सौंपकर ज्ञापन दिवस मनाया गया।

ये रही 17 सूत्रीय मांग

भारतीय कृषि एवं किसानों के हित में सरकार ने विदेशी डेयरी उत्पाद एवं जीएम फसलों को देश में आने से रोका उसके लिए सरकार का धन्यवाद, साथ ही भारतीय किसान संघ यह मांग करता है कि कृषि आदान एवं कृषि यंत्रों से जीएसटी पूर्ण रूप से समाप्त की जाए।, कृषि उत्पादों की आयात निर्यात नीति किसान हितेषी बनाई जावे जब किसान की फसल पककर आए तब आयात नहीं किया जावे, कृषि कार्यों में लगने वाले सभी यंत्रौ रासायनिक दवाईयों तथा बीज पर जीएसटी की दर न्यूनतम की जाए ।, किसी भी कीमत पर जीएम फसलों (बीजों) को आरल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाए।, वर्तमान में केंद्र सरकार ने कपास से इंपोर्ट ड्यूटी हटाई है जो न्याय संगत नहीं है तत्काल बहाल की जाए।, भूमि अधिग्रहण कानून में केवल विकास की योजनाएं एवं राष्ट्रीय के मुद्दों पर ही अधिग्रहण किया जाने देश के सभी राज्यों में समान कानून किया जाए ।, केंद्र सरकार द्वारा घोषित योजनाओं का लाभ बैंकों के अड़ियल रवैया के कारण पात्र किसालों को नहीं मिल पाता अतः किसानों के सहयोग के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए एवं प्रत्येक जिले में एक समन्वय अधिकारी की नियुक्ति की जाए ।, बैंकों द्वारा कृषि लोन एवं केसीसी देने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर ऑनलाइन किया जाए. पर्याप्त दस्तावेज के पश्चात भी किसानों को परेशान करने पर जवाबदेही तय की जाए।, मुद्रा लोन की तरह किसानों को तत्काल कृषि लोन देने की प्रक्रिया देखी जाए।, कृषि कार्य में लगने वाले डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए ।, वर्षा मापक यंत्र सभी ग्राम पंचायत में लगायें जाए ।, सभी जिलों में कृषि महाविद्यालय खोले जाये, छोटी कक्षाओं में कृषि विज्ञान की पढ़ाई कराई जाए ।, सभी फसलों की खरीदी समर्थन मूल्य पर वर्ष भर की जाए।, किसान सम्मान निधि में अपने नाम के अनुरूप महंगाई दर के अनुसार वृद्धि कर 10000 प्रति हेक्टर की जाए ।, रासायनिक खाद वाले किसानों को खाद पर सब्सिडी मिलती है उतनी राशि जैविक किसानों को भी प्रोत्साहन स्वरूप दी जाए ।, फसल बीमा योजना में सैटेलाइट सर्वे योजना असफल है इसमें सुधार किया जाए नेत्रांकन सेवा ही होना चाहिए ।, किसानों को K. C. C, लोन 5 लाख तक का दिया जाए । ज्ञापन के मौके पर बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे ।

इमरती जलेबी का भोग किया अर्पित

गोटेगांव

विगतदिवस स्थानीय श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर मे बजरंग सेना नर्मदाखंड महाआरती समिति के तत्वाधान में श्रीरामभक्त हनुमानजी की महाआरती पं.दीपकतिवारी के आचार्यत्व में पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ राकेश शर्मा ने अपने जन्मदिन पर परिवार के साथ पूजन अर्चन कर इमरती जलेबी का भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद वितरण किए जाने के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुजनों ने सामूहिक रूप से श्री रामस्तुति,श्री हनुमान चालीसा श्री हनुमानजी की महाआरती का गायन किया गया, गौरतलब हैकि श्रीसंकट मोचन हनुमान मंदिर महाआरती समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को हनुमान ललाजी की संगीतमय महाआरती विगत 5 वर्षों से भी अधिक समय एवं 300वें सप्ताह से निरंतर जारी साप्ताहिक संगीतमय महाआरती के पश्चात समिति की भजन मंडली के सदस्यो द्वारा सामूहिक रूप से भजनों की अनुपमप्रस्तुति दी गई जिसमें पप्पू सोनी धर्मेंद्रचौबे कमल स्वामी विद्याचरण पाराशर सालकराम साहू, सुशीलदुबे तारा कहार मुकेश सोनी पंकज नोरिया एवं सहयोगियों के द्वारा महाआरती संपन्न करने के तत्पश्चात राकेश शर्मा के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर समिति के सदस्यों द्वारा फूल माला चंदन बंधन से स्वागत किया गया एवं हनुमान जी महाराज से उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, इस अवसर नर्मदा प्रसाद गुप्ता, रघुनाथ राय दीपक सराठे भगवान दास साहू मयंक शर्मा अनिल अग्निहोत्री दीपक तिवारी बसंत दुबे शिवकुमार विश्वकर्मा ओम प्रकाश साहू विजय साहू मनोज नामदेव दीपक सोनी नीरज नेमा मुकेश सोनी मुकेश ठाकुर निहाल अग्रवाल मुकेश चढार विनोद साहू विमलेश राय आनंद पचौरी नारायण सोनी रोहित नाथ टाटा नाथ सौरभ अर्जित बृजेश श्रीवास्तव ललित शौर्य बटूक सेवक अक्षत सराठे अनुज ठाकुर ऋषि विश्वकर्मा अभिनंदन अग्रवाल, मातृशक्ति से स्नेहलता श्रीवास्तव श्रेया शर्मा अदिति साहू पुष्पा गुप्ता स्नेहलता भनारे ,मंजुला गुप्ता, दीपाली श्रीवास्तव,प्रीति भारद्वाज लीलावती पटेल सुमन गुप्ता प्रीति पटेल अनीता साहू संगीता चौबे राधिका वैष्णव अभिनंदन अग्रवाल सहित नन्हेमुन्ने बच्चों की उपस्थिति सराहनीय रही.

विधिक चेतना का संचार, विद्यार्थियों को मिली नई सीख

गोटेगांव।

यूनिवर्सल पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी साबित हुआ। शिविर में गोटेगांव सिविल कोर्ट की न्यायाधीश सुश्री साक्षी शुक्ला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और अपने विचार विद्यार्थियों के समक्ष साझा किए। जज सुश्री शुक्ला ने कहा कि कानून केवल अदालत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन से जुड़ा हुआ है। यदि विद्यार्थी अभी से अपने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझेंगे, तो वे भविष्य में आदर्श नागरिक बनकर समाज को नई दिशा दे सकेंगे।" उनके उद्बोधन को बच्चों ने गंभीरता से सुना और उन्होंने कई विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछे जिनका समाधान उन्होंने सरल भाषा में किया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर अरविंद पटैल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जज सुश्री शुक्ला का स्वागत किया और कहा कि इस प्रकार के शिविर बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। शिविर में शिक्षकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ और अभिभावक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या सुश्री शिल्पा पाठक ने सिविल जज सुश्री साक्षी शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नेशनल लोक अदालत में 433 व्यक्ति हुए लाभान्वित

गोटेगांव

विगतदिवस न्यायालय में रखे गए प्रकरणों का निराकरण एवं पक्षकारों को सहज एवं सुलभन्याय मिलने हेतु लोक अदालत का आयोजन किया गया, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बीते दिवस प्रातः 10:30 बजे तहसील विधिक सेवा समिति, गोटेगांव द्वारा न्यायालय परिसर में अध्यक्ष महोदय सुश्री साक्षी शुक्ला, अभिभाषक संघ के सचिव अभय जैन, अधिवक्तागण एवं समस्त न्यायालयीन कर्मचारीगण द्वारा मां सरस्वतीजी मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया गया। लोक अदालत के दौरान सुश्री साक्षी शुक्ला के न्यायालय में 25 बैंक रिकवरी, 372 जलकर संपत्ति कर एवं दुकान किराया से 16 आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरण, 19 एनआईए 138, विधिक आपराधिक प्रकरण 13 एवं 03 दीवानी प्रकरण के कुल 456 प्रकरण सुनवाई में लिए गए। जिसमें से बैंक रिकवरी के 18, जलकर, दुकान किया एवं संपत्ति कर के 380, आपराधिक राजीनामा योग्य 16, विविध आपराधिक प्रकरण 13, एनआईए 138 के 19, मिलाकर कुल 434 प्रकरण निराकृत किए गए एवं कुल 54,56,000 रूपये की राशि जमा की गई एवं 433 व्यक्ति लाभांवित हुए पक्षकारो को फलदार छायादार वृक्ष वितरण किए गए !

नेशनल लोक अदालत में निराकृत मामलों के पक्षकारों को सौंपे पौधे

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस व्यवहार न्यायालय तेंदूखेडा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया ।जिसका शुभारंभ तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष माननीय अरविंद मीणा के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अधिवक्ता संघ के अधिवक्तागण सहित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सोनाटा फाइनेंस बैंक पंजाब नेशनल बैंक म०प्र० ग्रामीण बैंक इत्यादि बैंको के कर्मचारी एवं उन बैंको से संबंधित पक्षकार एवं समस्त न्यायालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में पारिवारिक विवाद सिविल प्रकरण एवं राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण जल विद्युत कर आदि से संबंधित प्रकरणो एवं अन्य प्रकरणों का आपसी बातचीत से समझौते के माध्यम से निराकरण किया गया। न्यायालय में लंबित कुल प्रकरणों में से 34 प्रकरण निराकृत किये जिसमें 85 व्यक्ति लाभान्वित होकर 840 000 रूपये का समझौता प्रीलिटीगेशन के 105 प्रकरण निराकृत हुए जिसमें 4 01610 रूपये की राशि का समझौता हुआ ।जिसमें 106 व्यक्ति लाभान्वित हुए तथा निराकरण हुआ। समझौता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने वाले पक्षकारों को फलदार वृक्ष भेंट कर नेशनल लोक अदालत के माध्यम से समझौता करने हेतु धन्यवाद प्रकट किया गया।

नगर परिषद के 123 मामलें हुए निराकृत

नेशनल लोक अदालत में नगर परिषद से संबंधित मामलों को भी रखा गया इनमें जलकर के 167 मामलों में 73 मामलों में 167470 रुपये संपत्ति कर के कुल 135 मामलों में 39 मामले निपटे जिसमें 208437 रुपए की वसूली हुई। दुकान किराए के 18 में से 11 मामलों का निराकरण हुआ जिसमें 51903 रुपये की वसूली की गई।

विशाल कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ

तेंदूखेड़ा पितृपक्ष के दौरान जगह-जगह श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।इसी श्रंखला के चलते विगत रविवार को विशाल कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ हुआ।पी डब्लू डी कालौनी स्थित शिव मंदिर से पूजन अर्चन के साथ नगर के मुख्य मार्गों श्री हनुमान मंदिर दादा दरबार श्री राम जानकी मंदिर काली मंदिर और हरसिद्धि मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रख्यात कथा वाचक महंत गोपीठाधीश्वर विपिन बिहारी महाराज के द्वारा चौधरी गार्डन परिसर में श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ किया गया।कथा प्रतिदिन दोपहर दो बजे से शाम छ बजे तक कथा चलेगी तथा 20 सितंबर को विश्राम होगा।21 को भंडारे प्रसादी वितरण के साथ समापन होगा। जिसके सुनने से प्राणी का उद्धार हो जाये वही श्रीमद् भागवत कथा

भगवत और पितरों की कृपा से ही परिजन उन्नति करते हैं- बुंदेलखंडी भाषा में कथा का रसपान करा रहे पं विपिन बिहारी जी ने पहले दिन की कथा में स्पष्ट किया कि भगवत कृपा और अपने पितरों की कृपा से ही भागवत कथा श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ करता है। श्रद्धा और श्राद्ध दोनों ही अपनी अपनी जगह महत्वपूर्ण है।जब तक श्रद्धा नहीं होती वहां पितर श्राद्ध ग्रहण नहीं करते। कथा सुनने के बाद संतुष्ट होकर चलें जाये। और अपने जीवन में कथा को उतारें। कथा के माध्यम से उपाय करना उपासना दोनों बताने की जरूरत है। भागवत की कथा जो भगवान से सीधे जोड़ती है।भगवान से जुड़ने की कोशिश करो।केवल भाव का खेल है। प्राणी वहीं है भक्ति में डूबने बाला भगवत की शरण में चला जाता है।संकट में केवल भगवान ही सहारा रहते हैं। स्वयं के दुख मिटाने के हम स्वयं सक्षम है केवल सत्कर्मों की जरूरत है। भागवत कथा बचाती है ।संकट में सुख की अनुभूति हो यही भगवत कृपा। जिसके मन में काम क्रोध अर्थ मोह के विकारों को हटाओ।नकली बनने की कोशिश मत करो अच्छा बनने की जरूरत। सामाजिक जीवन में पारदर्शिता की जरूरत है।छल कपट को छोड़ने की जरूरत है।परिश्रम से कभी कभी डरों मत । मैया गैया भैया से प्यार करो इसे कभी मत छोड़ो। मां पिता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। सामाजिक सरोकारों से जुड़े विंदुओं को रेखांकित करते हुए धरातलीय व्यवहारिक ज्ञान को हास्यास्पद शैली में कथा श्रवण करा रहे पं विहारी जी को सुनने बड़ी संख्या श्रोता पहुंच रहें हैं।